SATLUJ JAL VIDYUT NIGAM LIMITED
(A joint venture of Govt. of India & Govt. of HP)
Corporate Headquarter : Himfed Building, New Shimla - 171009
Expediting Office : 301 Bhikaji Cama Bhavan, Bhikaji Cama Place, New Delhi - 110066 : 51659207, 51659205 Fax : 51659204
Visit us at www.sjvnindia.com

वार्षिक रिपोर्ट
ANNUAL REPORT
2006-07

सतलुज जल विद्युत निगम लिमिटेड
SATLUJ JAL VIDYUT NIGAM LIMITED

www.reportjunction.com

SJVN PAYS RS. 235 CRORES DIVIDEND
Govt. of India : Rs. 176.25 crore; Govt. of Himachal Pradesh : Rs. 58.75 crore

Hon'ble Minister of Power, Shri Sushil Kumar Shinde being presented a Dividend Cheque of Rs. 126.25 crore by Shri H.K. Sharma, CMD and Shri K. K. Garg, Director (Finance). An interim dividend of Rs. 50 crore had already been paid.

SJVN SIGNS MoU WITH THE MINISTRY OF POWER FOR THE YEAR 2007-08

In the picture above Shri H. K. Sharma, CMD, is seen exchanging the MoU documents with Shri Anil Razdan, Secretary Power.

विषय-सूची CONTENTS

अध्यक्षीय संबोधन
Chairman's Speech 9

निदेशक मण्डल की रिपोर्ट
Directors' Report 13

लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट
Auditors' Report 29

भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की टिप्पणियां
Comments of the C & AG 37

वार्षिक लेखा 2006-07
Annual Accounts 2006-07 38

कंपनी सचिव	:	पी.एस.आर. मूर्ति	Company Secretary	: P.S.R. Murthy
लेखा परीक्षक	:	राज गुप्ता एण्ड कं. सनदी लेखाकार, चंडीगढ़	Auditors	: Raj Gupta & Co. Chartered Accountants, Chandigarh.
बैंकर्स	:	– आई.डी.बी.आई. बैंक – एक्सिस बैंक – पंजाब नैशनल बैंक – स्टेट बैंक ऑफ इंडिया	Bankers	: - IDBI Bank - AXIS Bank - Punjab National Bank - State Bank of India
पंजीकृत कार्यालय	:	हिमफेड बिल्डिंग, न्यू शिमला – 171009	Registered Office	: Himfed Building, New Shimla - 171009

www.reportjunction.com

विद्युत उत्पादन – अगली पीढ़ियों के लिए
Generating Power - for the Generations to come

निदेशक मंडल
BOARD OF DIRECTORS

एच. के. शर्मा
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
H. K. SHARMA
Chairman & Managing Director

गुरदयाल सिंह
सदस्य (एच. ई.)
केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण
Gurdial Singh
Member (H.E.)
Central Electricity Authority

राजेश वर्मा
संयुक्त सचिव एवं वित्त सलाहकार
विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार
Rajesh Verma
Joint Secretary & Finance Advisor
Ministry of Power, GOI

जे. के. शर्मा
निदेशक (सिविल)
J.K. Sharma
Director (Civil)

आर. डी. प्रभाकर
निदेशक (विद्युत)
R.D. Prabhakar
Director (Electrical)

जे. एस. कावले
संयुक्त सचिव (जल विद्युत)
विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार
J. S. Kawale
Joint Secretary (Hydel)
Ministry of Power GOI

जे. पी. नेगी
अपर मुख्य सचिव (पॉवर)
हि. प्र. सरकार
J. P. Negi
Additional Chief Secretary (Power)
Govt. of H.P.

आर. एस. कटोच
निदेशक (कार्मिक)
R. S. Katoch
Director (Personnel)

कृष्ण कुमार गर्ग
निदेशक (वित्त)
K. K. Garg
Director (Finance)

अरविन्द मेहता
वित्त सचिव
हि. प्र. सरकार
Arvind Mehta
Secretary (Finance)
Govt. of H.P.

www.reportjunction.com

विद्युत उत्पादन – अगली पीढ़ियों के लिए
Generating Power - for the Generations to come

हमारा मिशन

हिमाचल प्रदेश में सतलुज नदी की घाटी में तथा किसी अन्य स्थान पर जल विद्युत परियोजनाओं की आयोजना कर उनके सर्वेक्षण से लेकर निर्माण तक के कार्य पूरे करना एवं रख-रखाव तथा उनका परिचालन करना।

हमारी दूर-दृष्टि

निगम की व्यवहार्यता निरंतर बनाए रखने के लिए स्वस्थ वाणिज्यिक सिद्धांतों की आधार-शिला पर मानवीय कुशलता एवं मनोभावों के साथ विकास की संभावनाओं को पुनर्गठित कर भविष्य की जलविद्युत ऊर्जा के अपार संसाधनों के रूप में भारत को विश्वपटल पर प्रस्तुत करना ।

OUR MISSION

To Plan, investigate, organise, execute, operate and maintain hydropower projects in the Satluj river basin in Himachal Pradesh and at any other place.

OUR VISION

To make India a fountainhead of hydro power and the energy source of the future by recognising development with passion and professionalism for sustainable viability of the corporation on bedrock of sound commercial principles.

Report Junction.com

निगम के उद्देश्य

उपर्युक्त मिशन को पूरा करने की दृष्टि से कंपनी ने अपने लिए निम्नलिखित कारपोरेट उद्देश्य निश्चित किए हैं:

- अधिकतम् निष्पादन दक्षता के साथ पॉवर स्टेशनों का प्रचालन एवं अनुरक्षण।
- युक्तियुक्त व्यावसायिक, वित्तीय एवं नियामक नीतियों की स्थापना एवं अनुपालन।
- जल विद्युत परियोजनाओं को हाथ में लेना।
- सतलुज जल विद्युत निगम को आवंटित नई परियोजनाओं को कम से कम लागत सहित प्रभावी ढंग से पूरा करना।
- आंतरिक रूप से उपलब्ध तकनीकी एवं प्रबंधकीय विशेषज्ञता का अन्य परियोजनाओं में प्रसार।
- सहभागिता प्रबंधन दर्शन की शुरूआत करते हुए कार्य संस्कृति एवं कार्य वातावरण तैयार करना जो कि संगठन एवं कर्मचारियों दोनों की संवृद्धि एवं विकास में सहायक होगा।
- समाज के प्रति दायित्वों को पूरा करना। पणधारियों, समकक्षों तथा अन्य संबंधित संगठनों का सृजनात्मक सहयोग हासिल करना तथा व्यक्तिगत संबंध बनाना।
- पर्यावरण संबंधी तथा सामाजिक विक्षोभ को न्यूनतम् रखते हुए परियोजना के स्वस्थ पर्यावरण एवं स्वच्छ वातावरण को बनाए रखने के लिए प्रयत्नशील रहना।
- मिनी रत्न स्टेटस प्राप्त करने हेतु प्रयास करना।

CORPORATE OBJECTIVES

In the pursuit of above mission, the company had set for itself the following corporate objectives :

- Operating and maintaining power stations with maximum performance efficiency.
- Establishing and following sound business, financial and regulatory policies.
- Taking up of other hydro power projects.
- Completion of the new projects allocated to SJVN in an efficient and cost effective manner.
- Dissemination of available in-house technical and managerial expertise to other utilities/projects.
- Creating work culture and work environment conducive to the growth and development of both the organization and the individuals through introduction management philosophy.
- Fulfilling social commitments to the society. Achieving constructive cooperation and building personal relations with stakeholders, peers, and other related organization.
- Striving clean and green project environment with minimal ecological and social disturbances.
- To strive for acquiring Mini Ratna Status.

www.reportjunction.com

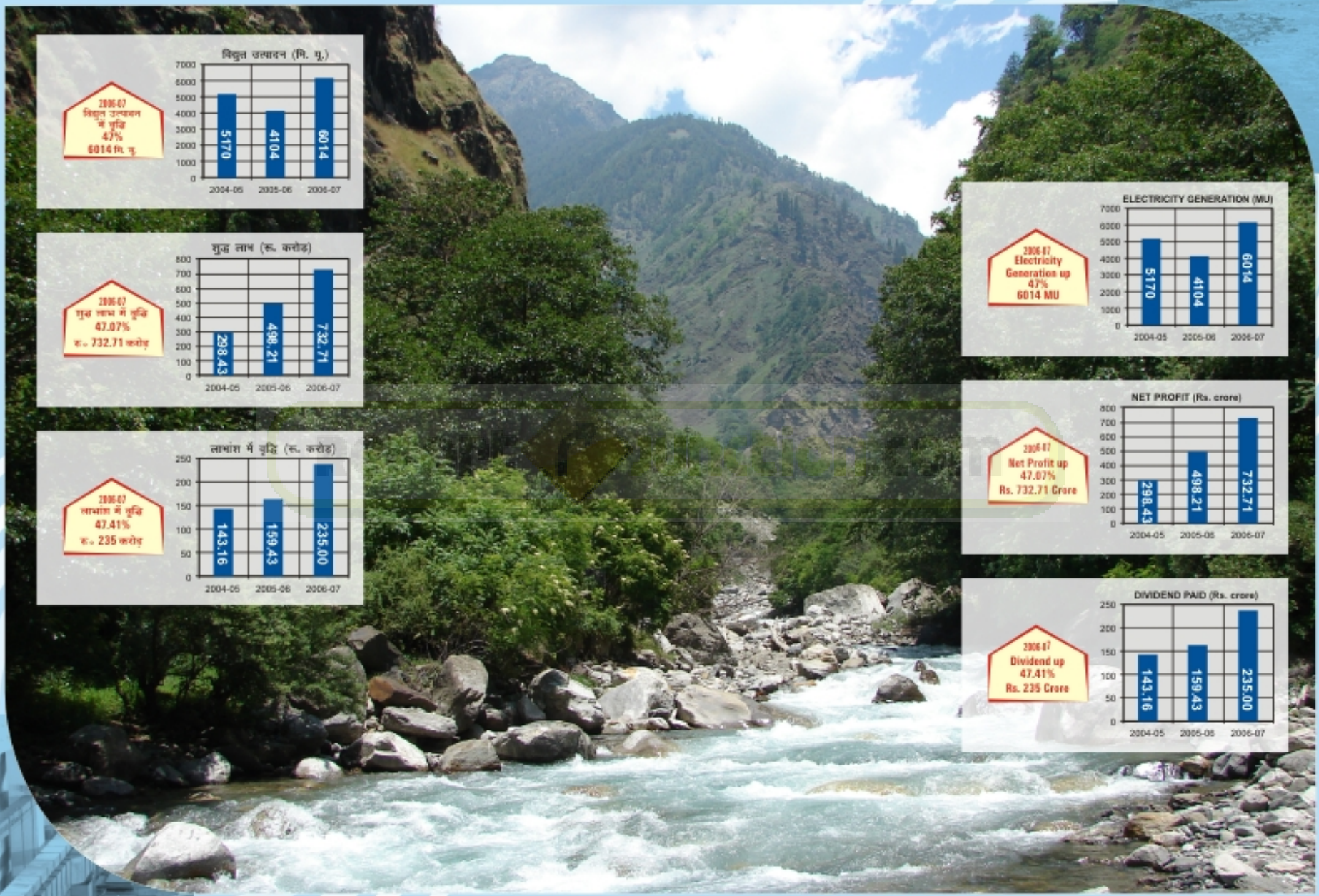

www.reportjunction.com

Harnessing Hydro Power

विद्युत उत्पादन – आने वाली पीढ़ियों के लिए
Generating Power - for the Generations to come

अध्यक्षीय संबोधन
Chairman's Statement

मान्यवर

आज, 28 सितंबर,2007 को संपन्न होने जा रही 19वीं आम वार्षिक बैठक में मैं आप सभी को हार्दिक रूप से आमंत्रित करता हूं। वर्ष 2006-07 के परीक्षित वार्षिक लेखे सहित लेखा परीक्षकों एवं निदेशक मंडल की रिपोर्ट आपके पास पहले से ही उपलब्ध है तथा आपकी अनुमति से मैं इसे पढ़ा हुआ मान लेता हूं। कंपनी की विभिन्न गतिविधियों तथा अन्य क्षेत्रों में कंपनी के कार्य-निष्पादन की विस्तृत जानकारी निदेशक मंडल की रिपोर्ट में दी गई है। मैं, आपकी अनुमति से कंपनी से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर प्रकाश डालना चाहूंगा।

वार्षिक कार्य-निष्पादन

2006-07
विद्युत उत्पादन
में वृद्धि
47%
6014 मि. यू.

विद्युत उत्पादन और कंपनी की आय में वृद्धि के मामले में यह वर्ष पिछले वर्षों की तुलना में श्रेष्ठ रहा है। वर्ष 2006-07 के समझौता ज्ञापन के अनुसार, वर्ष के दौरान अधिक सिल्ट और फ्लशिंग के कारण 16 दिन उत्पादन बंद रहने के आधार पर सकल विद्युत उत्पादन का लक्ष्य 6400 मिलियन यूनिट तय किया गया था। सिल्ट की अधिक मात्रा के कारण विद्युत संयंत्र 32 दिन बंद रहने के बावजूद हमने 6014.48 मिलियन यूनिट विद्युत का उत्पादन किया। पिछले वर्ष विद्युत उत्पादन 4104.42 मिलियन यूनिट हुआ था। कर उपरांत शुद्ध लाभ पिछले वर्ष के रु.498.21 करोड़ की तुलना में इस वर्ष रु.732.71 करोड़ रहा, जबकि पिछले वर्ष के रु.159.43 करोड़ के लाभांश की तुलना में इस वर्ष अंतरिम लाभांश सहित प्रस्तावित लाभांश रु.235 करोड़ है। वर्ष 2004 से आय, लाभ तथा पूंजी निवेश पर आय में उत्तरोत्तर वृद्धि विकास के संकल्प की सूचक है।

Dear Members,

I cordially invite you to the 19th Annual General Meeting scheduled to-day, the 28th September, 2007. The Annual Audited Accounts along with the Report of the Auditors and Directors for the year 2006-07 are already with you and with your permission, I would take them as read. While the Directors' Report has dealt with extensively on the performance of the Company, I shall deal with few important issues concerning the Company.

2006-07
Electricity
Generation up
47%
6014 MU

The Year's Performance

This year has been pleasant with respect to achievement in generation and growth of Income of the Company as compared to previous years. As per MoU for the year 2006-07, the gross energy generation based on 16 days closure on account of high silt and reservoir flushing was set at 6400 MU. Against this, we have achieved 6014.48 MU despite the fact that power plant had to be shut down for 32 days due to high silt contents. The energy for the preceding year was 4104.42 MU. The year's net profit after tax was Rs.732.71 crores as against Rs.498.21 crores and dividend proposed is Rs.235 crores including interim dividend whereas the dividend for the previous year was Rs.159.43 crores. The rising income, profits and return on investments year after year since year 2004 is witness to the committed growth.

www.reportjunction.com

भविष्य की योजनाएँ

वर्तमान में, भारत की 1,35,000 मेगावाट की कुल स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता में से जल विद्युत उत्पादन का हिस्सा 33,775 मेगावाट है। विद्युत मंत्रालय की "सन् 2012 तक सभी के लिए बिजली" की अनूठी पहल के तहत मौजूदा क्षमता में 1,00,000 मेगावाट की वृद्धि करने की आवश्यकता है। स्वच्छ ऊर्जा स्रोत के रूप में मान्य जलविद्युत ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ाती है और व्यस्ततम अवधि की मांग को भी पूरा करने हेतु एक आदर्श स्रोत है। देश की आकलित संभाव्य जलविद्युत क्षमता लगभग 1,50,000 मेगावाट है और मौजूदा संस्थापित क्षमता आकलित क्षमता के एक चौथाई से भी कम है। मैं गर्व के साथ यह कह सकता हूँ कि हमारे आगे असंख्य कारोबारी मौके हैं और इनका फायदा उठाने का समय आ गया है। इसके मद्देनजर उत्पादन क्षमताओं में वृद्धि करने के लिए हमने सरकार के साथ हाथ मिलाया है और इस दिशा में पहली परियोजना रामपुर जल विद्युत परियोजना (412 मेगावाट) का निर्माण करना है, जिसका निर्माण फरवरी, 2007 में शुरू हो चुका है। परियोजना के ज्यादातर घटकों के अंतर्गत सिविल कार्यों की रफ्तार शेड्यूल के अनुसार है। यह परियोजना सिविल कार्य अवार्ड किए जाने की तिथि से 11वीं पंचवर्षीय योजना के अंतर्गत 60 माह के अंदर सन् 2012 तक पूरी की जानी है। इसके अतिरिक्त, वर्तमान में उत्तराखण्ड सरकार के विचाराधीन उत्तराखण्ड परियोजनाओं से उत्पादन क्षमता में 684 मेगावाट की और वृद्धि होगी। वर्तमान में, इन परियोजनाओं की डीपीआर तैयार करने का कार्य प्रगति पर है।

2006-07
शुद्ध लाभ में वृद्धि
47.07%
रू० 732.71 करोड़

लुहरी परियोजना का सर्वेक्षण एवं अन्वेषण कार्य पूरा हो चुका है और इसकी डीपीआर तैयार करके केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण को प्रस्तुत की जा चुकी है। इस परियोजना से 770 मेगावाट विद्युत उत्पादन होने की आशा है। परियोजना आबंटित किए जाने संबंधी मंजूरी हिमाचल प्रदेश सरकार से प्रतीक्षित है। इस बीच, यह ध्यान रखते हुए कि हिमाचल प्रदेश सरकार इक्विटी में पूंजी निवेश बढ़ाना चाहती है, भविष्य में हिमाचल प्रदेश में लुहरी परियोजना सहित अन्य परियोजनाओं के निर्माण के लिए हमारी कंपनी के नियंत्रणाधीन एक आनुषंगिक कंपनी बनाने सहित अन्य प्रस्तावों पर भारत सरकार विचार कर रही है।

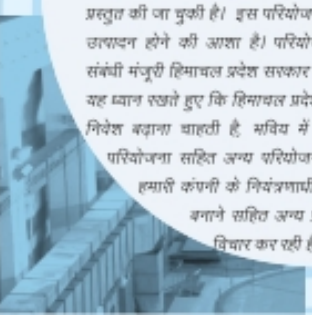

FUTURE PLANS

The total installed capacity of power generation in India is presently at 1,35,000 MW. Out of this, 33,775 MW comes from Hydro sector. The unique initiative of Ministry of Power "Power For All by 2012" requires addition of 1,00,000 MW to the existing capacity. The Hydro power is known as clean energy and enhances energy security and is also ideal source for meeting peak demand. The estimated hydro potential in the country is about 1,50,000 MW and the present installation capacities indicate less than one-fourth of the envisaged potential. I am proud to say that the business opportunities ahead of us are unaccountable and it is time to avail. Keeping this in view, we joined the hands of the Government in building up the additional capacities and towards this, the first project – the Rampur Project which has 412 MW, construction of which has already commenced with the award of major civil works in February, 2007. The progress of civil works is as per the schedule in most of the components. The project is to be completed in 60 months time from the award of civil works, i.e., February, 2012 and within 11th plan. Further, the Uttarakhand Projects, presently under consideration by the Government of Uttarakhand, would add further 684 MW capacity. Presently preparation of DPR in respect of these projects is in progress.

2006-07
Net Profit up
47.07%
Rs. 732.71 Crore

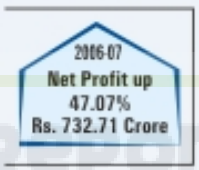

In respect of Luhri Project, after complete survey and investigation, DPR has been prepared and submitted to the CEA. The project is expected to generate 770 MW. The approval of the Government of Himachal Pradesh for the allotment of the project is awaited. Meanwhile, keeping in view the enhanced investment interests in the Equity by the Government of Himachal Pradesh, the Government of India is examining the proposals including setting up of a subsidiary to our Company to execute all future projects in Himachal Pradesh including the Luhri project.

इसके अतिरिक्त, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश जैसे अन्य राज्यों सहित नेपाल एवं भूटान जैसे पड़ोसी देशों में भी परियोजनाएं लेने के प्रयास किए जा रहे हैं। इस आशय के प्रस्ताव संबंधित राज्य सरकारें एवं देशों को भेजे गए हैं और वे उनके विचाराधीन हैं।

उक्त प्रयत्नों एवं अवसरों के साथ मैं यह निःसंदेह कह सकता हूँ कि इन प्रयासों से न केवल कंपनी समृद्ध होगी बल्कि देश और देश की जनता भी समृद्धशाली होगी।

2006-07
लाभांश में वृद्धि
47.41%
रू० 235 करोड़

Further, the company has also been keen in executing projects in other States like Sikkim, Arunachal Pradesh and neighbouring countries like Nepal, Bhutan. Expression of interests have already been submitted and these are under consideration.

With the above efforts and opportunities, I have no doubt to say that the company shall not only prosper but also bring prosperity to the Country and her people.

2006-07
Dividend up
47.41%
Rs. 235 Crore

आभार

अंत में, मैं निदेशक मंडल के सभी सदस्यों, विद्युत मंत्रालय, हिमाचल प्रदेश सरकार, उत्तराखण्ड सरकार, अन्य सभी सरकारी एवं गैर-सरकारी एजेन्सियों तथा कर्मचारियों, वित्तीय संस्थानों, ठेकेदारों और आपूर्तिकर्ताओं से प्राप्त सहायता और सहयोग के लिए उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ।

ACKNOWLEDGEMENT

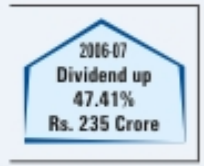

At the end, I would like to place on record my gratitude for the assistance and co-operation received from all the Members of the Board, Ministry of Power, the Government of Himachal Pradesh, the Government of Uttarakhand and all the other governmental and non-governmental agencies and the employees, financial institutions, contractors and suppliers..

सधन्यवाद।

आपका

(हेमंत कुमार शर्मा)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

स्थान : शिमला
दिनांक : 28 सितंबर, 2007

Thanking you,

Yours sincerely

(H.K. Sharma)
Chairman & Managing Director

Place : Shimla
Date : 28th September, 2007

www.reportjunction.com

Rampur Intake

निदेशक मंडल की रिपोर्ट 2007
DIRECTORS' REPORT 2007

मान्यवर

आपके निदेशक मंडल को दिनांक 31 मार्च 2007 को समाप्त वर्ष से संबंधित लेखा परीक्षित खाते, लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट तथा भारत के लेखा नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की टिप्पणियों सहित कंपनी की उन्नीसवीं वार्षिक रिपोर्ट आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। नीचे दर्शाए गए नतीजों से आप देखेंगे कि 30 मार्च 2004 को कंपनी की पहली इकाई के व्यावसायिक उत्पादन शुरू करने के बाद आपकी कंपनी ने साल दर साल क्रमिक प्रगति की है।

Dear Members,

Your Directors are pleased to present the Nineteenth Annual Report of the Company for the year ended March 31, 2007 along with the Audited Statement of Accounts, Report of Auditors and Comments of the Comptroller and Auditor General of India. You will witness from the results produced below, the gradual progress being achieved by your company year after year since the beginning of the commercial operations of the company of the first unit on 30th March, 2004.

1. वित्तीय परिणाम

(रु./करोड़)

आय	2006-07	2005-06
बिजली की बिक्री	1618.23	1371.51
अन्य आय	47.53	20.28
कुल आय	**1665.76**	**1391.79**
व्यय		
उत्पादन, प्रशासन तथा अन्य व्यय	140.10	135.39
मूल्यहास	466.15	380.13
ब्याज एवं वित्त प्रभार	271.18	308.83
कुल व्यय	**877.43**	**824.35**
कर पूर्व लाभ, प्रावधान तथा पूर्व अवधि समायोजन	788.33	567.44
कर	93.10	45.40
कर पश्चात् लाभ परंतु प्रावधानों एवं पूर्व अवधि समायोजनों से पहले	695.23	522.04
पूर्व अवधि समायोजन	(37.73)	17.92
प्रावधान	0.25	5.91
कर पश्चात् शुद्ध लाभ	**732.71**	**498.21**
विनियोग:		
अंतरिम लाभांश	**66.67**	**0.00**
अंतिम रूप से प्रस्तावित लाभांश	**168.33**	**159.43**
लाभांश पर कर	**37.96**	**23.40**

1. FINANCIAL RESULTS

(Rs./crore)

Income	2006-07	2005-06
Sale of Energy	1618.23	1371.51
Other Income	47.53	20.28
Total Income	**1665.76**	**1391.79**
EXPENDITURE		
Generation, Administration and other Expenses	140.10	135.39
Depreciation	466.15	380.13
Interest & Finance charges	271.18	308.83
Total Expenditure	**877.43**	**824.35**
Profit before tax, provisions and prior period adjustments	788.33	567.44
Tax	93.10	45.40
Profit after tax but before provisions and prior period adjustments	695.23	522.04
Prior period adjustments	(37.73)	17.92
Provisions	0.25	5.91
Net Profit after tax	**732.71**	**498.21**
Appropriations:		
Interim Dividend	**66.67**	**0.00**
Final Dividend-proposed	**168.33**	**159.43**
Tax on Dividend	**37.96**	**23.40**

www.reportjunction.com

Power Transmission - Pot Head Yard

2. बिजली उत्पादन

पिछले वर्ष के 4104.422 मिलियन यूनिट की तुलना में वर्ष 2006-07 के दौरान विद्युत उत्पादन 6014.480 मिलियन यूनिट हुआ।

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण(सीईए) द्वारा एनजेएचपीएस के लिए मई,2001 के डिस्चार्ज आंकड़ों के आधार पर 90% डिपेन्डेबल वर्ष के लिए यथा स्वीकृत डिजाइन विद्युत उत्पादन 6951 मिलियन यूनिट था, परंतु पर्यावरणीय पहलुओं की खातिर नदी में न्यूनतम अवलोकित डिस्चार्ज का न्यूनतम 15% बहाव सुनिश्चित करने, जलाशय की फ्लशिंग की वजह से संयंत्र बंद रखने, सिल्ट की मात्रा स्वीकृत सीमा से अधिक होने जैसे महत्वपूर्ण उतरवर्ती कारणों से डिजाइन विद्युत उत्पादन में संशोधन करना पड़ा। इन तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में आपकी कंपनी ने 90% डिपेन्डेबल वर्ष में संशोधित 6255 मिलियन यूनिट डिजाइन विद्युत उत्पादन का प्रस्ताव सीईए को प्रस्तुत किया है, जिसके लिए स्वीकृति प्रतीक्षित है।

3. बिक्री

बिजली की बिक्री से कंपनी का टर्नओवर रु.28.05 करोड़ के चुकाई प्रभार सहित रु.1618.23 करोड़ रहा।

टैरिफ निर्धारण के संबंध में आपकी कंपनी ने 01.04.2004 से 31.03.2009 तक टैरिफ के निर्धारण के लिए सीईआरसी के पास अस्थायी टैरिफ याचिका दायर की है। बहरहाल, सीईआरसी ने केवल वित्तीय वर्ष 2004-05 तथा 2005-06 के लिए दो-भाग आधार पर रु.2.35 पैसे प्रति केडब्ल्यूएच की दर पर टैरिफ की मंजूरी इन अतिरिक्त दिशा-निर्देशों के साथ प्रदान की है कि परियोजना पूर्णता की लागत हेतु अभिस्वीकृति प्राप्त करने के बाद अंतिम टैरिफ याचिका दायर की जाए। परियोजना पूर्णता की लागत अनिर्णीत रहने की वजह से सीईआरसी ने अंतिम टैरिफ याचिका प्रस्तुत किए जाने के अध्यधीन अगले वित्तीय वर्ष 2006-07 हेतु उसी टैरिफ

2. GENERATION

During the year 2006-07, 6014.480 million units of power was generated as compared to the previous year's generation of 4104.422 million units.

While the Design Energy for the NJHPS as approved by CEA for 90% dependable year based upon discharge data up to May, 2001 was 6951 MU, the subsequent important factors, such as, ensuring minimum flow of 15% of the minimum observed discharge in the river for environmental considerations, shutdown of the plant during flushing of Reservoir and silt level exceeding the permissible limits, led to revision of the Design Energy. Considering these factors, your company proposed revised design energy at 6255 MU in a 90% dependable year and submitted a proposal to CEA. The approval is awaited.

3. SALES

The Turnover of the Company from the sale of energy was Rs.1618.23 crores including UI charges for Rs.28.05 crores.

As regards tariff fixation, your Company filed provisional tariff petition with CERC for determination of tariff from 01.04.2004 to 31.03.2009. However, CERC allowed the tariff @ Rs.2.35 per kwh on two-part basis for FY 2004-05 and 2005-06 only with further directions to file the final tariff petition after obtaining approval of project completion cost. Since the project completion cost was not decided, CERC further allowed the same tariff for FY 2006-07 pending submission of final tariff petition. In the meantime, the Govt. of India, Ministry of Power conveyed the approval for project completion cost of Rs.8187.713 crores on 14th August, 2007, final tariff

दर की मंजूरी प्रदान की है। इस बीच, भारत सरकार विद्युत मंत्रालय ने 14.08.2007 को रु.8187.713 करोड़ की परियोजना पूर्णता की लागत स्वीकृति की सूचना दी है और अंतिम टैरिफ याचिका की प्रस्तुति प्रक्रियाधीन है। फलतः वर्तमान में, चालू वर्ष के लिए बिलिंग 2006-07 की टैरिफ दरों के आधार पर की जा रही है।

4. लाभांश

कंपनी ने वर्ष 2006-07 में रु.732.71 करोड़ का शुद्ध लाभ अर्जित किया है और आपके निदेशकों ने पिछले वर्ष के रु.159.43 करोड़ की तुलना में रु.235 करोड़ (पहले ही प्रदत्त रु.66.67 करोड़ के अंतरिम लाभांश सहित) के लाभांश की संस्तुति की है। वार्षिक आम बैठक में आपके अनुमोदन के पश्चात् लाभांश का भुगतान कर दिया जाएगा।

5. कारपोरेट आयोजना

आपकी कंपनी ने वर्ष 2014 तक 6800 मेगावाट के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु 10 वर्षीय व्यापक योजना बनाई है। आपके निगम को रामपुर परियोजना (412 मेगावाट) पहले ही सौंपी जा चुकी है। लूहरी (700 मेगावाट) और खाब (636 मेगावाट) के संबंध में अन्वेषण तथा विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने संबंधी कार्य हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा निगम को सौंपा गया है। उत्तराखण्ड राज्य में उत्तराखण्ड सरकार ने देवसारी डैम (300 मेगावाट), नैटवार मोरी (33 मेगावाट) एवं जाखोल सांकरी (33 मेगावाट) - तीन परियोजनाएं अन्वेषण एवं विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने तथा व्यवहार्य होने पर निर्माण हेतु आपके निगम को सौंपी हैं।

6. नई परियोजनाओं की स्थिति

6.1 रामपुर परियोजना (412 मेगावाट)

रु.2047.03 करोड़ की अनुमानित लागत से रामपुर जलविद्युत परियोजना (6x68.67 मेगावाट) का निष्पादन करने की भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय द्वारा 25 जनवरी,2007 को मंजूरी दिए

petition is under submission. At present the billing is being done on the tariff rates of 2006-07 for the current year.

4. DIVIDEND

The Company has earned a net profit of Rs.732.71 crores for the year 2006-07 and as such your Directors had recommended a dividend of Rs.235 crores (including interim dividend of Rs.66.67 crores already paid) as against dividend of Rs.159.43 crores for the previous year. The dividend shall be paid after your approval in the Annual General Meeting.

5. CORPORATE PLAN

Your Company had drawn a comprehensive 10 year plan to achieve a target over 6800 MW by 2014. Your Nigam has already bagged Rampur project (412 MW). Luhri (700 MW) and Khab (636 MW) were cleared for investigation and preparation of DPRs by Govt. of H.P. In the State of Uttarakhand, the Govt. of Uttarakhand has cleared 3 projects namely Devsari Dam (300 MW) Naitwar Mori (33 MW) and Jakhol Sankari (33 MW) for purpose of investigation and preparation of DPR and subsequent implementation of these projects, if found viable by your Nigam.

6. STATUS OF NEW PROJECTS

6.1 Rampur Project (412 MW)

Pursuant to the approval of the Government of India, Ministry of Power, to the Execution of the Rampur H.E. Project (6 x 68.67 MW), at an estimated cost of

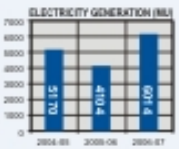

Bayal Adit of Rampur H.E. Project

www.reportjunction.com

Drilling Operations at Kunni HRT

जाने के उपरांत आपकी कंपनी ने एचआरटी, सर्जशाफ्ट, विद्युत गृह परिसर इत्यादि जैसे मुख्य सिविल कार्य दिनांक 1 फरवरी,2007 को अवार्ड कर दिए हैं। इन कार्यों को अवार्ड करने से पहले सभी जरूरी सांविधिक मंजूरियां ले ली गई थीं और मुख्य ठेकेदारों के आने से पहले सभी ढांचागत कार्य पूरे कर लिए गए थे। परियोजना से 90% डिपेन्डेबल वर्ष में 1770 मिलियन यूनिट डिजाइन विद्युत उत्पादित होगी। प्रथम वर्ष का टैरिफ रु.2.39 प्रति केडब्लूएच बनता है। यह परियोजना भारत सरकार की मंजूरी के 60 माह के अंदर अर्थात् फरवरी,2012 तक (11वीं योजना के अंदर) पूरी की जानी है।

परियोजना की लागत संबंधी निधि की संपूर्ण व्यवस्था आंतरिक स्रोतों और विश्व बैंक के ऋणों से की जाएगी। वर्तमान में विश्व बैंक के ऋण की शर्तें प्रक्रियाधीन हैं।

Rs.2047.03 crores on 25th January 2007, your company has awarded the Major Civil Works consisting of HRT, Surge Shaft, Power house complex etc., on 1st February 2007. Prior to the award of these works, all necessary statutory clearances were secured and necessary infrastructure works were put in place before the arrival of the Main Contractors. The design energy of the Project would be 1770 MU in a 90% dependable year. The first year tariff comes to Rs.2.39 per kwh. The project is scheduled to be completed in 60 months time from the sanction of the Government of India i.e., Feb. 2012 i.e., within the 11th plan.

The entire funding of the cost of the project shall be from the internal sources and loans from the World Bank. Presently, terms of loan with the World Bank are under settlement.

6.2 लुहरी परियोजना (700 मेगावाट)

डीपीआर तैयार करने तथा ढांचागत कार्यों के लिए यह परियोजना एसजेवीएन को दिनांक 16 दिसंबर, 2004 को सौंपी गई थी। एफएसआर, डीपीआर तथा बोली दस्तावेजों इत्यादि की तैयारी का परामर्श कार्य मैसर्स मॉट मैक डोनाल्ड को सौंपा गया था। केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण को अक्तूबर,2006 में एफएसआर प्रस्तुत की गई, जिसके अंतर्गत परामर्शकों के सुझाए संशोधनों के अनुसार परियोजना की क्षमता 700 मेगावाट से बढ़ाकर 775 मेगावाट कर दी गई है। परियोजना की व्यावसायिक व्यवहार्यता हेतु केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण ने दिसंबर,2006 में मंजूरी दी। अगस्त,2007 में केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण को प्रस्तुत की गई डीपीआर के अनुसार परियोजना के वर्तमान मानचित्र में 86 मी. ऊँचा कंक्रीट बांध, 38.14 कि.मी. लंबी ट्विन सुरंग एचआरटी तथा प्रत्येक 193.75 मेगावाट की चार उत्पादन इकाईयां सम्मिलित हैं। परियोजना की संभावित लागत आईडीसी को जोड़कर लगभग रु.4795 करोड़ है। परियोजना की निर्माण अवधि मुख्य सिविल कार्यों के अवार्ड की तिथि से 72 माह है। पर्यावरणीय

6.2 Luhri Project (700 MW)

The project was allocated to SJVNL on December 16, 2004 for preparation of DPR and infrastructure works. M/s Mott Mac Donald was awarded the Consultancy work of preparation of FSR, DPR & Bid documents etc. The FSR was submitted to CEA in the month of October 2006 with enhanced capacity of the Project from 700 MW to 775 MW on the basis of modifications suggested by the Consultants. The commercial viability of the Project was accorded by CEA in December 2006. As per the DPR submitted to CEA in August 2007, present layout of the Project consists of Concrete Dam of 86 m high, 38.14 km twin tunnel HRT and four generating units of 193.75 MW each. The expected costs of the project is approx Rs.4795 crores plus IDC. The construction period of the project is 72 months from the award of major civil works. The Environmental Impact

प्रभाव अध्ययन रु.19.80 लाख की लागत से पूरे हो चुके हैं और परियोजना के लिए पर्यावरण एवं वन मंत्रालय से पूर्व पर्यावरणीय मंजूरी अप्रैल,2007 में मिल चुकी है। भू-भौतीय अन्वेषण, टोपोग्राफीय सर्वेक्षण, भू-भौतकीय सर्वेक्षण कार्य अभिकांशतः पूरे हो चुके हैं। परियोजना के लिए निष्पादन करार अभी किया जाना है और इसकी शीघ्र मंजूरी के लिए हि.प्र. सरकार से आग्रह किया गया है।

6.3 खाब परियोजना

परियोजना के चरण-I एवं II के लिए पर्यावरण एवं वन मंत्रालय से मंजूरी मिल चुकी है। केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण ने चरण-I को मंजूरी दे दी है और चरण-II की मंजूरी परियोजना कार्य क्षेत्र में परिवर्तन के कारण परिशोधित एफएसआर न बन सकने के कारण लंबित है। स्थानीय ग्रामीणों द्वारा आंदोलनकारी रुख अपनाने की वजह से कई बार शुरू किया गया टोपोग्राफिकल सर्वेक्षण पूरा नहीं हो पाया है। प्रारंभिक प्रभाव विश्लेषण अध्ययन प्रगति पर है।

6.4 उत्तरांचल परियोजनाएँ

दिनांक 22 नवम्बर,2005 को उत्तराखण्ड सरकार के साथ देवसारी (300 मेगावाट), नैटवार मोरी (33 मेगावाट) तथा जाखोल सांकरी (33 मेगावाट) नामक तीन परियोजनाओं के निर्माण हेतु समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

स्टोरेज किस्म की देवसारी जलविद्युत परियोजना उत्तरकाशी जिले की पिन्डर नदी पर अवस्थित है। ऊँचे बांध की वजह से डूब क्षेत्र उत्पन्न होने के परिप्रेक्ष्य में आपकी कंपनी ने वर्तमान भण्डारण प्रकार की जगह रन-ऑफ-दि-रिवर (आरओआर) प्रकार की परियोजना का प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। आरओआर प्रकार के अंतर्गत तीन चरणों में जल विद्युत उत्पादन हो सकता है, जिसमें पहले चरण में 300 मेगावाट, द्वितीय चरण में 245 मेगावाट तथा तृतीय चरण में 46 मेगावाट विद्युत उत्पादित होगी। उत्तराखण्ड सरकार को संशोधित

Studies have been completed at a cost of Rs.19.80 lakhs and the Project received Prior Environmental Clearance from MOEF in April 2007. Most of the geological investigations, topographical surveys, geo-physical survey etc are complete. Implementation Agreement of the Project is yet to be done and the Government of Himachal Pradesh is being pursued for early approval.

6.3 Khab Project

Stage-I and II clearance from MOEF for the project was obtained. The Stage-I clearance from CEA has been cleared and stage-II clearance is pending for want of preparation of revised FSR due to changed scope of activity. Due to agitational path adopted by the local villagers, the topographical survey initiated several times could not be completed. EIA studies are in progress.

6.4 Uttaranchal Projects

MoU for execution of the three Hydro projects, namely, Devsari (300 MW), Naitwar Mori (33 MW) and Jakhol Sankri (33 MW), was signed with Uttarakhand Government on 22nd November 2005.

The Devsari Hydro Project is a storage type development situated on river Pindar in Chamoli Dist. Keeping in view the submergence on account of high Dam, your company submitted a proposal to convert the present storage type into Run of River type. In the ROR type, three stage hydro-power can be generated with a capacity of 300 MW in Stage –I; 245 MW in stage-II and 46 MW in stage-III. The revised proposal was submitted to the Government of Uttarakhand in November 2006 and approval is awaited. M/s Colenco Power

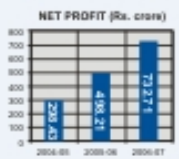

Work sites of Jakhol Sankari Project

www.reportjunction.com